

Philippians 1:1-6  
फिलेमोन १ :१-६

“Complete Joy”  
“संपूर्ण आनंद”

Bryan Chapell  
ब्रायन चैपल

August 28<sup>th</sup> 2016  
अगस्त २८, २०१६

Intro: The songs of our youth stay with us. For me an important lyric was: “Real joy is mine no matter if teardrops start; I’ve found the secret, it’s Jesus in my heart.”

प्रस्तावना : युवा काल का हमारा संगीत हमेशा साथ रहता है! मेरे लिए गीतिकाव्य के शब्द महत्वपूर्ण है: “सच्चा आनंद मेरा है चाहे आंसू आये, मैंने रहस्य ढूँढ लिया है की प्रभु येशु मेरे दिल में है”

Key Question: Is it possible to know joy in the midst of tears; to claim the joy of the morning while it’s still dark? We discover such joy as described in Paul’s...

मुख्य सवाल : क्या आंसू के बीच में हम सच्चे आनंद को जान सकते है, सुबह की किरण देख सकते है जब रात हो? हम ऐसा आनंद पौलुस के पास देखते है

- I. Partners in Joy  
आनंद में भागीदारों
  - A. Fellow Servants (v1a)  
सहकर्मी सेवक (व १ आ)
    1. Unlikely companions  
असम्भाव्य साथियो
    2. Unlikely joy  
असम्भाव्य आनंद
  - B. Fellow Saints (v1b)  
सहकर्मी संत (व १ बी)
    1. Unlikely correspondents  
असम्भाव्य संवाददाताओं
    2. Unlikely title  
असम्भाव्य शीर्षक

II. Provision of Joy (v2)  
आनंद का प्रावधान

1. How does Grace provide peace?  
कृपा से शांति कैसे मिलती है ?
2. Recognize it as a "gift" (v2a)  
उपहार के जैसे मनाना
3. Receive it from God, our Father (v2b)  
पिता परमेश्वर से उसका स्वीकार करना (व् २)
4. Receive it from the Lord Jesus Christ (v2c)  
प्रभु येशु से उसका स्वीकार करना (व् २)

A. How do you claim that peace?  
ऐसी शांति का दावा हम कैसे कर सकते हैं ?

1. Believe that Grace is for you  
विश्वास करना की कृपा हमारे लिए है
2. Believe the joy is for you  
विश्वास करना की आनंद हमारे लिए है

Grace is about Peace Provided - Peace is about Grace believed  
शांति मिलना वह कृपा है - शांति वह कृपा को स्वीकार करने से आती है

III. Prayers of Joy  
आनंद की प्रार्थना

- A. Remembrance of the church's partnership (v3-5)  
चर्च की भागीदार याद रखना (व् ३-५)
- B. Confidence of the church's "completion" (v6)  
चर्च संपूर्ण होने का आत्मविश्वास होना (व् ६)
  1. God finishes what He starts (finishing off)  
परमेश्वर जो शुरू करता है उसको समाप्त भी करता है (पूर्ण करना)
  2. God uses all the saints (filling out)  
परमेश्वर सब संतो का उपयोग करता है